

दरसण चालो रे भाईडा,
दरसण चालो रे,
माता भादवा दरसण देवे,
थाने दरसण चालो रे ॥

सुन्दर धारो मंदिर बनियो,
सोभा लागे प्यारी,
दूर दूर सु दरशन करवा आवे,
नर और नारी,
वो माँ रे लाल ध्वजा लहराये,
माँ रे दरसण चालो रे ॥

लखवा री बीमारी मेटे,
लूला पावा चाले,
जगमग ज्योता जागे थारे,
भीड़ पड़े हे थारे,
हे मारा परचा पाया ना पार,
माँ रे दरसण चालो रे ॥

ढोल नंगाड़ा नोपत बाजे,
जालर री जनकारा,
आरतिया री वेला आवे,
कर कर जय जय कारा,
हे भाया लेवे सरणा मात,

माँ रे दरसण चालो रे ॥

धरम भगत थारी महिमा गावे,
चरना शीश नमावे,
जो कोई सरणा आवे थारी,
मन चाहा फल पावे,
हे माता हेले आवे आज,
माँ रे दरसण चालो रे ॥

दरसण चालो रे भाईडा,
दरसण चालो रे,
माता भादवा दरसण देवे,
थाने दरसण चालो रे ॥

गायक और लेखक धर्मेंद्र तंवर।
मोबाइल 9829202569

Source:

<https://www.bharattemples.com/mata-bhadwa-darshan-deve-thane-darshan-chalore/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>